1 Cor. 15:1-19
१ कुरिन्थियों १५: १-१९
Resurrection on Trial
पुनरुत्थान आज़माइश पर
Pastor Bryan
पास्टर ब्रायन चैपल
04.01.18
०४.०१.१८

Introduction: The unreliability of eyewitnesses
प्रस्तावना : गवाह की अविश्वसनीयता

Key Question:

1. How can we trust the eyewitnesses of Christ's resurrection?
मुख्य सवाल: हम प्रभु यीशु के गवाह पर कैसे भरोसा कर सकते है?

2. What are the consequences of not trusting these eyewitnesses?
मुख्य सवाल: यह गवाह पर भरोसा नहीं करके क्या परिणाम हो सकता है?

Key thought: To answer these questions the apostle Paul puts the resurrection on trial, providing testimonies of belief, and consequence of unbelief.
मुख्य विचार : यह सवालों का जवाब देने के लिए संत पौलुस पुनरुथान की आजमाइस करते है, विश्वासी लोगो की गवाही देकर और अविश्वास का परिणाम देकर

I. The Testimonies of Belief
विश्वासी लोगो की गवाही

a. The Testimonies of Scripture (v3-4)
शास्त्र की गवाही (व् ३-४)

b. The Testimony of Eyewitnesses (v5-7)
आँखों देखी लोगों की गवाही (व् ५-७)

c. The Testimony of Transformation (v7b-10)
परिवर्तन का बयान (व् ७-१-बी)

II. The Consequences of Unbelief
अविश्वसनीयता का परिणाम

a. Loss of Credibility for the Gospel (v13-16)
सुसमाचार के विश्वसनीयता की क्षति (व् १३-१६)

b. Loss of Freedom from Our Sin (v17)
अपने पापों की मुक्ति से छुटकारे की क्षति (व् १७)

c. Loss of Freedom from Despair (v18-19)
निराशा से छुटकारे की क्षति (व् १८- १९)

Conclusion: "God, please resurrect my son!"
निष्कर्ष: "परमेश्वर मेरे पुत्र को जी उठाये"